PAPER-II
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

J	7	3	1	2

Time : **1 $^1/_4$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

संस्कृत-परम्परागत विषय:
संस्कृत परम्परागत विषय
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS
प्रश्नपत्रम् – II
प्रश्नपत्र – II
Paper – II

संङ्केत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत् (50)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना उत्तरणीया: ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, of **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

समुचितं विकल्पं चिनुत :
सही विकल्प चुनिए :
Select Correct Option :

1. "भौम:" नीचस्थो भवति
"भौम" नीच का होता है
"भौम" becomes नीच
(A) मेषराशौ
(B) वृषभराशौ
(C) धनुराशौ
(D) कर्कराशौ

2. "सूर्य:" उच्चस्थो भवति
"सूर्य" उच्च का होता है
"सूर्य" becomes उच्च
(A) वृषभराशौ
(B) कर्कराशौ
(C) सिंहराशौ
(D) मकरराशौ

3. सूर्यस्य संक्रमणे "दक्षिणगोल:" भवति
सूर्य के संक्रमण से "दक्षिणगोल" होता है
Due to संक्रमण of सूर्य, "दक्षिणगोल" occurs in
(A) मेषराशौ
(B) वृषभराशौ
(C) मकरराशौ
(D) तुलाराशौ

4. सूर्यस्य संक्रमणे ऋतुपरिवर्तनं भवति
सूर्य के संक्रमण से ऋतुपरिवर्तन होता है
Due to संक्रमण of सूर्य, ऋतु परिवर्तन occurs in
(A) राशिद्वये ।
(B) राशित्रये ।
(C) एकराशौ ।
(D) पञ्चराशौ ।

5. ________ नक्षत्रात् राशि: भवति
________ नक्षत्र से राशि होती है
________ portion of नक्षत्र becomes राशि
(A) नक्षत्रद्वयात् ।
(B) सपादनक्षत्रद्वयात् ।
(C) नक्षत्रत्रयात् ।
(D) पादोनत्रयात् ।

6. सप्तमस्थाने मंगल-शुक्ल-शनिग्रहाणां युतौ ________ भवति ।
सातवें स्थान पर मंगल-शुक्र-शनि ग्रहों की युति होने पर ________ होता है ।
When union of मंगल, शुक्र and शनि is present in seventh place, there occurs ________.
(A) राजयोग:
(B) केमद्रुमयोग:
(C) द्विभार्ययोग:
(D) सन्तानयोग:

7. वेदस्य नेत्रमुच्यते
वेद का नेत्र कहा गया है
The following is called the नेत्र of Veda
(A) व्याकरणम् ।
(B) निरुक्तम् ।
(C) ज्योतिषम् ।
(D) छन्द: ।

8. "नाज्झलौ" इति सूत्रेण निषिद्धयते
"नाज्झलौ" इस सूत्र से निषेध होता है
The sutra "नाज्झलौ" prohibits
(A) सावर्ण्यम् ।
(B) आदेश: ।
(C) लोप: ।
(D) समास: ।

9. संज्ञाविधायकमस्ति
संज्ञा विधायक सूत्र है
The aphorism enjoining संज्ञा, is
(A) झलां जश् झशि ।
(B) इको गुणवृद्धि ।
(C) हशि च ।
(D) वृद्धिरादैच् ।

10. भूतार्थे 'स्म' इति प्रयुज्यते
भूतकाल के अर्थ में 'स्म' का प्रयोग होता है
'स्म' is used to signify the past tense in
(A) लटि ।
(B) लृटि ।
(C) लोटि ।
(D) लङि ।

11. 'मक्षिकाणामभाव:' इत्यस्य समस्तपदमस्ति
'मक्षिकाणामभाव:' इस का समस्त पद है
The compounded form of 'मक्षिकाणामभाव:' is
(A) विमक्षिकम् ।
(B) अमक्षिकम् ।
(C) निर्मक्षिकम् ।
(D) दुर्मक्षिकम् ।

12. मीमांसायां लिङ्गं भवति
मीमांसा में लिङ्ग होता है
The varieties of लिङ्ग in मीमांसा, are
(A) चतुर्विधम् ।
(B) द्विविधम् ।
(C) षड्विधम् ।
(D) पञ्चविधम् ।

13. ज्योतिष्टोमे ______ पशुयागा: भवन्ति
ज्योतिष्टोम में ______ पशुयाग होते हैं
There are ______ पशुयागऽ in ज्योतिष्टोम
(A) पञ्च ।
(B) सप्त ।
(C) चत्वार: ।
(D) त्रय: ।

14. अर्थवादस्य भेदा: भवन्ति
अर्थवाद के भेद होते हैं
The varieties of अर्थवाद, are
(A) चत्वार: ।
(B) पञ्च ।
(C) त्रय: ।
(D) सप्त ।

15. दीधितिटीका विरचिता
दीधितिटीका ______ के द्वारा विरचित है
The commentary 'दीधिति' is written by
(A) उदयनेन ।
(B) वाचस्पतिना ।
(C) वात्स्यायनेन ।
(D) रघुनाथेन ।

16. निर्विकल्पकप्रत्यक्षमस्ति
निर्विकल्पकप्रत्यक्ष है
निर्विकल्पक perception is
(A) प्रमा ।
(B) अप्रमा ।
(C) संशय: ।
(D) न प्रमा, नापि अप्रमा ।

17. घटं प्रति अन्यथासिद्धं भवति
घट के प्रति अन्यथासिद्ध होता है
For घट, an अन्यथासिद्ध is
(A) दण्डत्वम् ।
(B) दण्डः ।
(C) कुम्भकारः ।
(D) कपालिका ।

18. न्यायदर्शने प्रमाणानि सन्ति
न्यायदर्शन में प्रमाण हैं
According to न्यायदर्शन, प्रमाणऽ are
(A) त्रीणि ।
(B) चत्वारि ।
(C) पञ्च ।
(D) षट् ।

19. ईश्वरो जगत्कर्ता
ईश्वर जगत् का कर्ता है
God is the creator of the world in this view
(A) चार्वाकमते ।
(B) न्यायमते ।
(C) जैनमते ।
(D) मीमांसामते ।

20. तन्मात्राणि विकृतयो भवन्ति
तन्मात्रायें विकार होती हैं
तन्मात्रऽ are the evolutes of
(A) पुरुषस्य ।
(B) अव्यक्तस्य ।
(C) महाभूतस्य ।
(D) अहंकारस्य ।

21. सांख्यमते पुरुषोऽस्ति
सांख्यमत में पुरुष है
According to Sankhya, पुरुष is
(A) त्रिगुणात्मकः ।
(B) चैतन्यस्वरूपः ।
(C) कर्ता ।
(D) भोक्ता ।

22. योगमते प्रमाणानि सन्ति
योगमत में प्रमाण हैं
According to Yoga, प्रमाणऽ are
(A) षट् ।
(B) त्रीणि ।
(C) पञ्च ।
(D) चत्वारि ।

23. दर्शनद्वये ईश्वरमतिरिच्य अन्यत्सर्वं समानम्
दो दर्शनों में ईश्वर के अतिरिक्त सर्व समान हैं
In which two दर्शनऽ, except ईश्वर, all are similar
(A) जैनबौद्धयोः ।
(B) सांख्ययोगयोः ।
(C) न्यायवैशेषिकयोः ।
(D) सांख्यचार्वाकयोः ।

24. क्षणभङ्गवादः सिद्धान्तोऽस्ति
क्षणभङ्गवाद सिद्धान्त है
क्षणभङ्गवाद belongs to
(A) जैनानाम् ।
(B) नैयायिकानाम् ।
(C) बौद्धानाम् ।
(D) मीमांसकानाम् ।

25. स्याद्वादस्य प्रतिपादकाः सन्ति
स्याद्वाद के प्रतिपादक हैं
The propounders of स्याद्वाद are
(A) जैनाः ।
(B) वेदान्तिनः ।
(C) बौद्धाः ।
(D) नैयायिकाः ।

26. शून्यवाद सिद्धान्तो वर्तते
शून्यवाद सिद्धान्त है
शून्यवाद सिद्धान्त is found in
(A) न्यायदर्शने ।
(B) वैशेषिकदर्शने ।
(C) बौद्धदर्शने ।
(D) जैनदर्शने ।

27. शुक्लयजुर्वेदस्य माध्यन्दिनशाखायां अध्याया: सन्ति
शुक्लयजुर्वेद की माध्यन्दिनशाखा में अध्याय हैं
Chapters are there in Madhyandina branch of the Shukla Yajurveda
(A) एकचत्वारिंशत् ।
(B) चत्वारिंशत् ।
(C) द्विचत्वारिंशत् ।
(D) पञ्चत्रिंशत् ।

28. शुक्लयजुर्वेदस्य काण्वशाखाया भाष्यकारोऽस्ति
शुक्लयजुर्वेद की काण्वशाखा का भाष्यकार है
The interpretor of Kāṇva branch of the Shukla Yajurveda is
(A) उव्वट: ।
(B) सायण: ।
(C) महीधर: ।
(D) शौनक: ।

29. शुक्लयजुर्वेदस्य माध्यन्दिनशाखाया हिन्दीभाषाया आदिभाष्यकारोऽस्ति
शुक्लयजुर्वेद की माध्यन्दिशाखा का प्रथम भाष्यकार है
The first interpretator in Hindi of the Madhyandina branch of Shukla Yajurveda is
(A) महर्षि महेशयोगी ।
(B) अरविन्दमहर्षि: ।
(C) श्रीपाददामोदर सातवलेकर: ।
(D) महर्षि: दयानन्द: ।

30. माध्ववेदान्ते मोक्षस्य लक्षणमस्ति
माध्ववेदान्त में मोक्ष का लक्षण है
According to Mādhva Vedanta, the definition of मोक्ष is
(A) आत्मानुसन्धानम् ।
(B) नैजसुखानुभूति: ।
(C) स्वस्वरूपानुभूति: ।
(D) ब्रह्मानुभूति: ।

31. माध्ववेदान्तेन 'अहं ब्रह्मास्मि' इति श्रुति: कथयति
माध्वमते के अनुसार 'अहं ब्रह्मास्मि' ऐसा श्रुति कहती है
According to Madhva Vedanta, the Scriptural text 'अहं ब्रह्मास्मि' establishes
(A) परब्रह्मण: अहेयत्वं सर्वज्ञत्वं च ।
(B) जीवब्रह्मणोरैक्यम् ।
(C) ब्रह्मानुभवत्वम् ।
(D) शरीरशरीरिभावत्वम् ।

32. माध्ववेदान्तसाहित्यान्तर्गतस्य कथालक्षणस्य रचयिता वर्तते
माध्ववेदान्तसाहित्य में अन्तर्गत कथालक्षण का रचयिता है
In the history of Mādhva literature, the work कथालक्षण is written by
(A) वादिराजयति: ।
(B) व्यासराज: ।
(C) मध्वाचार्य: ।
(D) विजयीन्द्रतीर्थ: ।

33. विष्णो: सदागमैकविज्ञेयत्वप्रतिपादकग्रन्थोऽस्ति
विष्णु का सदागमैकविज्ञेयत्व प्रतिपादक ग्रन्थ है
सदागमैकविज्ञेयत्व of Lord Vishnu is established in the work
(A) प्रमाणलक्षणम् ।
(B) कथालक्षणम् ।
(C) उपाधिखण्डनम् ।
(D) विष्णुतत्त्वनिर्णय: ।

34. 'ब्रह्मबन्धू' इत्यस्यार्थोऽस्ति
'ब्रह्मबन्धू' इसका अर्थ है
The meaning of 'ब्रह्मबन्धू' is
(A) जातिमात्रब्राह्मणी ।
(B) व्यभिचारिणी ।
(C) विधवा ।
(D) रजस्वला ।

35. विश्वामित्रमते श्राद्धं भवति

विश्वामित्र के मत में श्राद्ध है

According to Vishwamitra, श्राद्ध is

(A) एकादशविधम् ।

(B) सप्तविधम् ।

(C) नवविधम् ।

(D) द्वादशविधम् ।

36. कर्त्रशौचं भवति

कर्त्रशौच होता है

The varieties of कर्त्रशौच, are

(A) चतुर्विधम् ।

(B) पञ्चविधम् ।

(C) द्विविधम् ।

(D) षड्विधम् ।

37. 'स्त्रीधन' शब्द: यौगिकोऽस्ति

'स्त्रीधन' शब्द यौगिक है

'स्त्रीधन' is a यौगिक word according to

(A) जीमूतवाहनमते ।

(B) शूलपाणिमते ।

(C) विज्ञानेश्वरमते ।

(D) गौतममते ।

38. 'जानकीहरणं' नाम महाकाव्यं रचितम्

'जानकीहरणम्' महाकाव्य के रचयिता हैं

The author of 'जानकीहरणम्' is

(A) कालिदासेन ।

(B) भासेन ।

(C) कुमारदासेन ।

(D) चण्डीदासेन ।

39. "तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती"

इदं काव्यलक्षणमस्ति

यह काव्यलक्षण है

This is the काव्यलक्षण of

(A) आनन्दवर्धनस्य ।

(B) मम्मटस्य ।

(C) कुन्तकस्य ।

(D) पण्डितराज-जगन्नाथस्य ।

40. ध्वन्यभाववादिनां विकल्पा: सन्ति

ध्वनि के अभाववादियों के ______ विकल्प हैं

The alternative views of the Abhavavadins of Dhvani theory, are

(A) चत्वार: ।

(B) पञ्च ।

(C) षट् ।

(D) त्रय: ।

41. 'माधुर्यौज: प्रसादाख्या: त्रयस्ते न पुनर्दश'

इति मतमस्ति

यह मत है

This is the view of

(A) मम्मटस्य ।

(B) भरतस्य ।

(C) भामहस्य ।

(D) भोजराजस्य ।

42. महापुराणानि सन्ति

महापुराण हैं

The number of महापुराणS are

(A) अष्टादश ।

(B) एकादश ।

(C) द्वादश ।

(D) दश ।

43. पुराणसाहित्यानुसारेण विष्णोर्मुख्या अवतारा: सन्ति

पुराणसाहित्य के अनुसार विष्णु के मुख्य अवतार हैं

According Purana Literature, the number of main Avataras of Vishnu, is

(A) अष्टौ ।

(B) एकादश ।

(C) दश ।

(D) द्वादश ।

44. 'चतुर्विंशतिसाहस्री संहिता' – उच्यते:

– कहते हैं

– is also known as :

(A) जय: ।

(B) भारतम् ।

(C) महाभारतम् ।

(D) अग्निपुराणम् ।

45. अयमागम: शैवागमेषु नान्तर्गतो वर्तते

शैवागमों में इस आगम अन्तर्गत नहीं होता है

This आगम is not included in the शैवागमऽ

(A) कारणागम: ।

(B) वैखानसागम: ।

(C) रुद्रोपनिषत् ।

(D) पाशुपतागम: ।

46. नारदसंहितायां वर्णितो मुख्यो विषयोऽस्ति

नारदसंहिता में वर्णित प्रमुख विषय है

The main subject matter of the नारदसंहिता is

(A) शिल्प विचार: ।

(B) विष्णो: दशावतार: ।

(C) विष्णु पूजाविधानम् ।

(D) नारायणपारम्यम् ।

47. 'संहिता' इति शब्द प्रयोगो भवति

'संहिता' शब्द का प्रयोग होता है

The use of the word संहिता is related to

(A) शैवागमेषु ।

(B) वैष्णवागमेषु ।

(C) शाक्तागमेषु ।

(D) जैनागमेषु ।

48. 'अथातो ब्रह्मजिज्ञासा'

अत्र अथशब्दस्यार्थो भवति

इसमें 'अथ' शब्द का अर्थ होता है

Here, the meaning of 'अथ' is

(A) मङ्गलम् ।

(B) अधिकार: ।

(C) आनन्तर्यम् ।

(D) प्रश्न: ।

49. 'परत्र पूर्वदृष्टावभास:'

इति लक्षणमस्ति

यह लक्षण है

This is the definition of

(A) अज्ञानस्य ।

(B) मिथ्याज्ञानस्य ।

(C) आध्यासस्य ।

(D) अविद्याया: ।

50. अद्वैतवेदान्ते वार्तिककारोऽस्ति

अद्वैतवेदान्त का वार्तिककार है

The वार्तिककार of Advaita Vedanta is

(A) सुरेश्वराचार्य: ।

(B) पद्मपादाचार्य: ।

(C) प्रकाशात्मयति: ।

(D) मधुसूदनसरस्वती ।

Space For Rough Work